[श्री युवराज]

अपने सिर पर सारा सामान टोकरी में ले कर साहबगंज की तरफ जहां बड़ी हाट है, वहां आते जाते हैं। इस के अलावा जो यात्री देवघर पटना और कलकत्ते की तरफ जाते हैं उन के लिए वही एक मात्र सुविधा थी जो सौ वर्षों से चली आ रही थी। वह सुविधा अभी हाल में छीन ली गई है। विगत वर्ष जब ठेकेदार अपनी प्राइवेट फेरी से लोगों को पार कर रहा था आपातकाल के जमाने की बात है, तो एक बड़ी डकैती गंगा नदी में हुई जिस में हजारों रुपये उन के छीन लिए गए और उन के ऊपर काफी मार पड़ी। आज यात्रियों की जान व माल की सुरक्षा नहीं रह गई है। इसलिए मैं आप के द्वारा रेल मंत्री का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। क़ब्ल इस के कि मैं ने यह चर्चा आज यहां उठाई, मैं ने रेल मंत्री का ध्यान बार बार इस ओर आकृष्ट किया कि जो फेरी सौ वर्षों से ईस्टर्न रेलवे की सकरी गली घाट से मनिहारी घाट तक चल रही थी उसे दोबारा चालू कर दिया जाय। आज आप के द्वारा फिर इस सदन का ध्यान उस ओर आकृष्ट कर रहा हूं।

(ii) RISE IN WATER LEVEL OF RIVERS IN THE COUNTRY CAUSING DAMAGE TO CROPS, LIFE AND PROPERTY.

श्री विनायक प्रसाद यादव (सहरसा) : अध्यक्ष महोदय, विगत 10 या 15 जुलाई से समूचे देश की नदियों में पानी बढ़ना शुरु हो गया था। इधर चार पांच दिनों असाधारण वर्षा हुई है। उस के कारण देश की सभी नदियों में बाढ़ का पानी खतरे के निशान के ऊपर जा रहा है और लोगों की फसल और घर में पानी घुस गया है। मैं बिहार के सहरसा जिले से आता हूं। वहां कोसी का तटबन्ध बनाया गया था। कोसी तटबन्ध के बीच में लगभग 7 लाख आदमी रहते हैं। उन सभी लोगों के घरों में पानी घुस गया है और उन का जान-माल खतरे में पड़ गया है। वे चाहते हैं कि कहीं ऊंचे स्थान पर जायें लेकिन सूखे स्थान पर जाने के लिए भी उनको कोई सहारा नहीं है।

बाढ़ की समस्या कितनी जटिल और भंयकर है, इस संबंध में मैं भारत सरकार के सिचाई विभाग की तरफ से जो रिपोर्ट आई है उसके कुछ अंश मैं पढ़कर सुनाना चाहता हूं :

"The total damage due to flood in 1976 has been estimated by the State Government at Rs. 751 crores of which the damage to crops alone is Rs. 550 crores. The damage occurred in the States of Andhra, Assam, Bihar, Gujarat etc. is nearly 98 per cent of the total damage. The toll of human lives was 958. The total damage of Rs. 751 crores in 1976 is the highest during the period 1943—76. The annual damage during 1943—76 was about Rs. 205 crores."

इस रिपोर्ट से पता चलता है कि हर साल दो तीन अरब रुपए की क्षति होती रही है किन्तु गत साल 5 अरब 76 करोड़ रुपए की क्षति बाढ़ से हुई। देश में हर साल बाढ़ आती है, काफी नुकसान होता है लेकिन जब बाढ़ आ जाती है, लोगों के घरों में पानी भर जाता है, लोगों की जान और माल खतरे में पढ़ जाता है, तभी सरकार कुछ बचाव के उपाय करती है। नतीजा यह होता है कि न तो फसलों को बचाया जा सकता है और न बाढ़ में फंसे हुए लोगों को ऊंचे स्थान पर ले जाया जा सकता है। इसलिए मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि जब हर साल अरबों रुपए की क्षति हो रही है और हजारों लोगों की जानें जा रही हैं, सरकार को बाढ़ आने के पहले ही मुस्तैदी से कार्य करना चाहिए तथा फ्लड कंट्रोल का एक मास्टर प्लान बनाना चाहिए। अभी 20–25 साल से जो कार्य किया गया है उससे पता चलता है कि बाढ़ रुकने के बजाये बाढ़ का और भंयकर रूप होता जा रहा है जैसा मैंने अभी बताया सरकारी रिपोर्ट के अनुसार हर साल दो अरब का नुकसान होता था लेकिन पिछले साल करीब सात अरब रुपा

का नुकसान हुआ समूचे देश में । मैं आपके जरिए सरकार का ध्यान समूचे देश में बाढ़ से जो लोग तड़प रहे हैं उनकी ओर खींचना चाहता हूं और विशेषकर सहरसा, दरभंगा और समस्तीपुर जिले में जिन सात लाख लोगों को कोसी नदी के दोनों तटों पर बांध बनाकर स्थाई रूप से बाढ़ में ढकेल दिया गया है, जिनके घरों में पानी घुस गया है उन के पुनर्वास की मांग करता हूं तथा साथ ही उनको अविलंब ऊंचे स्थानों पर ले जाने के कदम उठाये जायें—इस बात को मैं आपके जरिए इस सदन और सरकार से कहना चाहता ।

(iii) BUILDING PLANS OF THE FORMER PRIME MINISTER'S HOUSE

SHRI HARI VISHNU KAMATH (Hoshangabad): Last Monday, on the 25th July, answering my Unstarred Question No. 4638 on the building plan of the former Prime Minister, the Minister of Works and Housing, Shri Sikandar Bakht, stated that "copies of the building plan will be placed in the Library of Parliament shortly". I submit that such a procedure would be irregular and contrary to our rules.

MR. SPEAKER: The papers should be laid on the Table of this House and not in the library.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: Earlier he had said that the plan was approved by the Delhi Municipal Corporation more than a year ago. Why should there be delay in placing it before the house?

I am given to understand that the cost of construction of the mansion is going to be about Rs. 8 lakhs.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY (Bombay North-East): I would like the Minister to present to the House the actual estimate of the cost.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: This is the last week and so he should place a copy of the plan on the Table of the House soon.

AN HON. MEMBER: The estimate of the cost.

MR. SPEAKER. It is my direction that whenever any document has to be placed for the benefit of the House, it has to be placed on the Table of this House and not in the Library.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: By the end of this week. Why should there be any delay?

MR. SPEAKER. Would you like to make any statement here?

SHRI HARI VISHNU KAMATH: Let him make a statement.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): It is being built at a private green belt. What is the ceiling in that area—500 sq. metre? What is the total?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): It is definitely not in a private area. But, usually, they are small houses. In fact, I will try my best to obtain an estimate from the Delhi Municipal Corporation and it will be placed on the Table of the House.

MR. SPEAKER: You should also place a plan before the House.

(iv) *Re.* INDIAN RED CROSS SOCIETY HAVING SPENT ABOUT RS. 50 LAKHS OUT OF SALE PROCEEDS OF THEIR RELIEF MATERIAL AND CERTAIN OTHER FINANCIAL TRANSACTIONS

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): The Indian Red Cross Society and international organisations in this country have spent about Rs. 50 lakhs out of the sale proceeds of their relief material which they received for distribution amongst distressed people has been spent for construction of a very posh marble faced building on Red Cross Road in New Delhi. Some persons in the government, I am told, had advised them not to go for an expensive building, but they paid no heed to the same.